लघु उत्तरीय प्रशन भाग -3

---

1. लहना सिंह कौन है?

उत्तर :- लहना सिंह 'उसने कहा था' कहानी का नायक है। वह एक वीर सैनिक है। उसे अपने प्राणों की चिन्ता नहीं है।

लहना सिंह में मानवीय संवेदना भी भरी हुई है। वह दिए गए वचन को निभाना जानता है। वह प्रेम से लबालब भरा हुआ है। लहना सिंह अपने वचन को निभाता हुआ, गोली का शिकार बनता है। इस प्रकार यह वचन की बलिवेदी पर प्राणोत्सर्ग की एक दिव्य कहानी है।

2. मालती कौन थी?

उत्तर : मालती अज्ञेय रचित कहानी 'रोज' की पात्र है। मालती और लेखक के बीच भाई-बहन का संबंध है। मालती वस्तुतः लेखक के दर के रिश्ते की बहन है।

3. लहना सिंह के साथी का क्या नाम है?

उत्तर : लहना सिंह के साथी का नाम वजीरासिंह है। मरते समय लहनासिंह का सिर वजीरासिंह की गोद में था। मांगने पर वह उसे पानी पिलाता है और लहनासिंह की मौत पर वजीरासिंह फूट-फूट कर रोता है

4. राम का नाम सुनते ही तुलसीदास की बिगड़ी बात बन जाएगी, तुलसीदास के इस भरोसे का कारण स्पट करें?

उत्तर : गोस्वामी तुलसीदास राम की भक्ति में इतना अधिक निमग्न थे कि वह पूरे जगत को राममय पाते थे- "सियाराम मय सब जग जानी" यह उनका मूलमंत्र था। अतः उनका यह दृढ़ विश्वास था कि राम दरबार पहुँचते ही उनकी बिगड़ी बातें बन जाएँगी। अर्थात् राम ज्योंही उनकी बातों को जान जाएँगे, उनकी समस्याओं एवं कष्टों से परिचित होंगे, वे इसका समाधान कर देंगे। उनकी बिगड़ी हुई बातें बन जाएँगी।

5. पुत्र के लिए उसकी माँ क्या-क्या करती है?

उत्तर : माँ को बच्चे के लिए शीत से रक्षा करने की चिंता रहती है। माँ गोद से भी उसे नहीं उतारती है। बच्चे की आवाज सुनकर वह दौड़कर आती है और पुत्र की रक्षा करती है। माँ थपकी देकर बच्चे को सुलाती है। माँ लोरियाँ गा-गाकर पुत्र को सुलाती है। किसी भी तरह बच्चे को माँ रुग्ण नहीं देखना चाहती है। वह बीमार होने पर रात जागकर काट लेती है। माँ हर पत्थर को देव मानकर बच्चे के लिए दुआ-सलामत माँगती है। वह नारियल, दूध और बताशे चढ़ाती है। अपना बच्चा छिनते ही वह असहाय और विवश हो उठती है।